दिल्ली पब्लिक स्कूल, जम्मू

सत्र : 2018–19

अभ्यास–पत्र

कक्षा : दसवीं

विषय : हिंदी

सामान्य निर्देश :–

- सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- प्रश्न–पत्र में चार खंड हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार दें।
- प्रश्नों के उत्तर देते हुए शब्दों की संख्या अनावश्यक न बढ़ाएँ।

खंड–क (अपठित बोध)

प्र1) निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :–

अच्छे या बुरे का निर्माण हम स्वयं करते हैं। हमारे–आपके ही संकल्प दूसरों के संकल्पों से टकराकर तदनुसार वातावरण बनाने के लिए जिम्मेदार होते हैं। हमें सदैव शुभ संकल्प ही करने चाहिए। युजर्वेद के एक मंत्र में यही प्रार्थना की गई है कि मेरे मन के संकल्प 'भद्रं भद्रं न आभर'– हे प्रभो! हमें बराबर कल्याण को प्राप्त कराइए। यहाँ 'कल्याण' शब्द का प्रयोग व्यापक अर्थ में हुआ है। केवल भौतिक संसाधनों की उपलब्धि ही नहीं, वरन् पारमार्थिक सत्य की सिद्धि ही सच्चे अर्थों में कल्याण है। संत सभा के सेवन तथा हरि–गुन–गायन से ही इसकी उपलब्धि संभव है। सफलता के लिए केवल संकल्प ही पर्याप्त नहीं है, तदनुरूप आचरण एक ऐसे दर्पण के सदृश है, जिसमें हर मनुष्य को अपना प्रतिबिंब दिखाई देता है। मनुष्य के कर्म ही उसके विचारों की सबसे अच्छी व्याख्या है। हम जिस वस्तु की कामना करते हैं, उसी से हमारे कर्म की उत्पत्ति है। गीता में कर्म की व्याख्या के रूप में कहा गया है कि इस प्रकृति में जो कुछ भी परिवर्तित होता है वह सब 'क्रिया' है और क्रियाओं का पुंज पदार्थ है। वे ही कर्म चाहे कायिम हों या वाचिक अथवा मानसिक इष्ट, अनिष्ट तथा मिश्रित फल देने वाले होते हैं। उन कर्मों में करने के जो भाव हैं, वे कर्ता में ही रहते हैं। ये 'कर्म' और 'भाव' शुभ और अशुभ दोनों होते हैं। शुभ कर्म और भाव मुक्ति देनेवाले तथा अशुभ कर्म और भाव पतन करनेवाले होते हैं।

क) हमें किस प्रकार के संकल्प करने चाहिए?

ख) यजुर्वेद के किस मंत्र में क्या प्रार्थना की गई है?

ग) कल्याण का व्यापक अर्थ क्या है?

घ) मनुष्य को किस प्रकार के दर्पण में अपना प्रतिबिंब दिखाई देता है?

ङ) गीता में कर्म की व्याख्या किस प्रकार की गई है?

च) निम्नलिखित समस्तपदों का विग्रह करके समास का नाम लिखिए :–

(i) संत–सभा (ii) शुभाशुभ

प्र2) निम्नलिखित अपठित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :–

साक्षी है इतिहास भी पहले जागे हैं,

जाग्रत सब हो रहे हमारे ही आगे हैं।

शत्रु हमारे कहाँ नहीं भय से भागे हैं?

कायरता से कहाँ प्राण हमने त्यागे हैं?

हैं हमीं प्रकंपित कर चुके, सुरपति तक का भी हृदय।

फिर एक बार है विश्व तुम, गाओ भारत की विजय।।

कहाँ प्रकाशित नहीं रहा है तेज़ हमारा,

दलित कर चुके शत्रु सदा हम पैरों द्वारा।

बतलाओ तुम कौन नहीं जो इससे हारा,

पर शरणागत हुआ यहाँ कब हमें न प्यारा!

बस युद्ध–मात्र को छोड़कर कहाँ नहीं है हम सदय!

फिर एक बार हे विश्व तुम, गाओ भारत की विजय!

क) 'पहले जागे हैं' से क्या तात्पर्य है?

ख) विश्व को भारत का जयघोष करने के लिए क्यों कहा गया है?

ग) भाव स्पष्ट कीजिए – 'बस युद्धमात्र को छोड़कर कहाँ नहीं है हम सदय?'

6

खंड–ख (व्यावहारिक व्याकरण)

प्र3) शब्द और पद में उदाहरण सहित अंतर स्पष्ट कीजिए।

प्र4) निर्देशानुसार उत्तर दीजिए :–

(i) अध्यापक अपने शिष्यों को अच्छा बनाना चाहता है ।(मिश्रित वाक्य)

(ii) जब सेवरा होता है तब सारा चराचर जाग उठता है। (संयुक्त)

(iii) बालक रोता रहा और चुप हो गया। (सरल)

प्र5) क) निम्नलिखित शब्दों का समास विग्रह करके समास का नाम लिखिए :–

(i) बेसहारा (ii) देवलोक

ख) निम्नलिखित विग्रहों का समस्तपद बनाइए तथा समास का नाम लिखिए :–

(i) बाढ़ से पीड़ित (ii) मालवाली गाड़ी

प्र6) निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध कीजिए :–

(i) रविवार के दिन माँ व्रत करती हैं।

(ii) एक गर्म कप टमाटर का सूप पीते जाओ।

(iii) मेरे को मत रोको

(iv) मुझे केवल यही पुस्तक चाहिए।

प्र7) निम्नलिखित वाक्यों को उपयुक्त मुहावरों द्वारा पूरा कीजिए :–

क) बम की अफवाह फैलते ही सारी सभा चंद मिंटों में .....।

ख) इंज़ीनियरिंग कॉलेज में प्रवेश पाने के लिए छात्र .....।

खंड–ग (पाठ्यपुस्तक)

प्र8) क) कर्नल ने वज़ीर अली को हटाकर सआदत अली को गद्दी पर क्यों बिठाया?

ख) आदर्शवादी लोगों ने समाज के लिए क्या किया है?

ग) पुलिस ने आंदोलनकारियों के साथ कैसा व्यवहार किया?

प्र9) 'झेन की देन' प्रसंग से क्या संदेश मिलता है? पाठ के आधार पर स्पष्ट करें।

प्र10) क) भाव भक्ति को जागीर क्यों कहा गया है?

ख) 'पर्वत प्रदेश में पावस' के दृश्यों को कवि ने 'इंद्रजाल' क्यों कहा है?

ग) तोप किस काम आई थी?

प्र11) आत्मत्राण कविता का प्रतिपाद्य लिखिए।

प्र12) 'सपनों के से दिन' पाठ का केंद्रीय भाव क्या है? स्पष्ट कीजिए।

खंड–घ (लेखन)

प्र13) अपने क्षेत्र की गंदगी की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र लिखिए।

प्र14) आपके विद्यालय में दाँतों के डॉक्टरों द्वारा कैंप लगवाया गया है। आप विद्यालय के सचिव हैं। सभी छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए सूचना लिखिए।

प्र15) योगाभ्यास से होने वाले लाभों पर दो मित्रों के बीच हुए संवाद लिखिए।

प्र16) जूट के बैग बनाने वाले कंपनी हेतु एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए।

प्र17) दिए गए संकेत–बिंदुओं के आधार पर एक अनुच्छेद लिखिए :–

क) जीवन में खेल कूद का महत्त्व

संकेत बिंदु : भूमिका, खेलों के लाभ, खेल विजयी बनाते हैं, उपसंहार।

ख) दैव–दैव आलसी पुकारा

संकेत बिंदु : आलसी ही दैव का सहारा लेता है

भाग्वादी निकम्मा होता है

निराशा उदासीन और पराश्रित रहता है

परिश्रम सौभाग्य का निर्माता

ग) दादा बड़ा न भैया, सबसे बड़ा रुपया

संकेत बिंदु : लोगों की मानसिकता, धनी का रूतबा, धन का प्रभाव